

असाधारग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 388]

नई बिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 25, 1979/ब्राश्विन 3, 1901

No. 3881

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 25, 1979/ASVIN 3, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग स्रादेश

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1979

का० आ० 544 (श)/18 ख ख/उ० वि० वि० श०/79:—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्त मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 545 (श्र)/18 ख ख/उ० वि० वि० श्र०/75, नारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें श्रामे उक्त श्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) हारा प्रदत्त श्राप्त करने हुए, घोषणा की थी कि —

- (क) उक्त अधिनियम की तृतिय अनुसूर्व। में तिनिविष्ट अधिनियमि-तियां, मैसर्स मेन रेले लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात खीखांगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी; और
- (ख) उक्त श्रादेण के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृक्ष गभी संविदाश्रों, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनीं, पंचाटों, स्थायी श्रादेशों या अन्य लिखतों का (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जी उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व- उसके श्रधीन प्रोद्भृत या उद्भूत होने वाले भभी श्रधिकारों, विजेपाधिकार, बाध्यताएं और वायित्यों का प्रवर्तन 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेगा;

भौर उक्त आदेश की अवधि 26 मित्रम्बर, 1979 तक कें लिए भौर बढ़ा दी गई थी: भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भादेश की अवधि 7 सितम्बर, 1980 तक की भवधि के लिए भीर बढ़ा दी जानी वाहिए,

श्रतः श्रवः, केन्द्रीय गरकार. उद्योग (विकास श्रोर विनियमन) श्रीध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रादेण की श्रदिध 7 सिनम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके श्रन्तर्गत यह नारीख भी है, श्रीर बहाती है।

[फा॰ मं॰ 2(21)/75-सी॰सू॰सी॰]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 25th September, 1979

- S.O. 544(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 545(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
 - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial under-

651 GI/79

takings known as Messrs, Sen Raleigh Limited, Calcutta; and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976:

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

मावेश

फा॰ आ ≈ 545 (प्र)/18 च] पा/उ० वि० वि० अ०/79: — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंद्रालय (मौद्योगिक विकास विभाग) के आदेण सं० का० आ० 546 (अ)/18 च ख/उ० वि० वि० प्र०/75, तारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 ख ज की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा की थी कि: —

- (क) उक्त प्रधिनियम की तृतीय धनुसूची में विनिविष्ट प्रधिनिय-पिनियां. मैससे एनिसलरी इण्डस्ट्रीज (लग्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से भान घौद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी; ग्रीर
- (खा) उक्त आदेश के राजपत में प्रकाशन की नारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त भभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्मांतरण-पत्नों, करारों, क्यवस्थापमीं, पंचाटीं, स्थायी आदेशों या अन्य निखतीं का (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे नागू हो सकता है) और उक्त नारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूष या उद्भूष होने वाले सभी अधिकारों, विशेषाधिकार, बाह्यताएं और दायित्वों का प्रवर्तन 76 सिनस्बर, 1976 तक निलस्बित रहेगा; और उक्त आदेश की भवधि 26 सिनस्बर, 1979 कक के निए और बढ़ा दी गई थी;

श्रांर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रादेश की श्रवधि 7 सिनम्बर, 1980 तक की श्रवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

भ्रप्त: ग्रम, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) श्रिधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त ग्रावेण की भवधि 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके भन्तर्गेत यह तारीख भी है, ग्रीर बढ़ाती है।

[फा॰ सं॰ 2(21)/75-सी॰यु॰सी॰]

ORDER

- S.O. 545(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 546(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
 - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private Limited, Calcutta; and
 - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thercunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September. 1980,

[File No. 2/21/75-CUC]

ग्रावेश

कार भार 545 (भा)/18 च च/उ० वि० वि० भर/79:—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग श्रीर नागरिक पूर्ति मंद्राखय (श्रीचोगिक विकास विभाग) के भावण सं० कार भार 547 (भ)/18 च ख/उ० वि० वि० श्र०/75, तारीख 27 स्थिनम्बर, 1975 (जिस इसमें श्रागे उक्त श्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग विकास और विनियमन) श्रीधित्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा की थी

- (क) उक्त अधिनियम की नृतीय अनुसूक्ती में विनिदिष्ट अधिनिय-मिनियां, मैंसर्स सेन एण्ड पंडित इण्डस्ट्रीक लिमिटेड, कलकना के नाम से ज्ञान औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी: रहता और
- (ख) उक्त प्रादेश के राजपल में प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्त्रांत्ररण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी प्रावेशों या प्रन्य लिखतों का जिसमें उक्त उपकम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके प्रधीन प्रावृ्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकारों, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्वों का प्रवर्तन 26 सितम्बर, 1976 तक निजम्बन रहेगा;

ग्रीर उक्त श्रादेश की श्रवधि 26 सिनम्बर, 1979 तक के लिए श्रीर बढ़ा दी गई थी

और केन्द्रीय रारकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रादेश की श्रवधि 7 सिनम्बर, 1980 तक की श्रवधि के निए श्रीर बढा दी जानी चाहिए;

श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) प्रिधिन्त्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रीदेश की श्रवधि 7 सितस्बर, 1980 तक के लिए, जिसके श्रन्तर्गत यह तारीख भी है, श्रीर बढ़ाती है।

[फा॰ सं॰ 2(21)/75-सी॰यू॰सी॰]

ORDER

- S.O. 546(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 547(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
 - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Sen and Pandit Industries Limited, Calcutta; and
 - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) rend with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

मार्वे श

का० मा० 547 (क्ष)/18 च का/उ० वि० वि० म०/79:--केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग मौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (क्रीद्यागिक विकास विभाग) के भारेग सं० का० भा० 548 (म्र)/18 च का/उ० वि० वि० भ०/75, नारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें म्रागे उक्त भारेण कहा गया है) द्वारा उद्योग विकास भीर विभियमन) भिन्नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त माकेयों का प्रयोग करते हुए, घोषणा की थी

(ख) उक्त आदेण के राजपत में प्रकाशन की तारीख के हीक पूर्व प्रवृत्त राभी संविद्याओं, सम्पन्ति के हम्तातरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों. स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का, (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख में पूर्व उसके अधीन प्रांव्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाह्यताएं और दायित्वों का प्रवर्तन 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेगा:

ग्रीर उक्त ग्रादेश का भविध 26 सितम्बर, 1979 तक के लिए ग्रीर बढ़ा दी गई थी;

भीर केन्द्रीय संरकार का समाधान हो स्था है कि उक्त आदेश की अविधि 7 सितम्बर, 1980 तक की अविधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिन्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त ग्रादेश की ग्रवधि 7 गितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके अन्तर्गन यह तारीख भी है, भौर बढ़ातों है।

[फा॰ सं॰ 2/21/75-सी॰यु॰सी॰]

ORDER

- S.O. 547(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 548(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
 - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta; and
 - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

(श्रीधोगिक विकास विभाग) के ग्रादेश सं० का० श्रा० 549 (ग्र)/18 स ल/उ० वि० वि० ग्र०/75 तारील 27 मितम्बर, 1975 (जिसे इसमें श्रागे उक्त ग्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास ग्रीर विनियम) ग्रिशितियम, 1951 (1951 क. 65) की धारा 18 न ल की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश ग्रातियों का प्रयोग करते तुर, घोषणा की थी कि:—

- (क) उक्त श्रधिनियम की मुताय अनुसूची में वितिष्टिंद श्रिधिनिय-मितियां, मैंगर्स एनिएक्री इण्डस्ट्रीज (कैक्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता के नाम में ज्ञास श्रीग्रोगिक उन्निम की लागू नहीं होंगी; श्रीर
- (ख) उक्त प्रादेण के राजपन्न में प्रकाणन की नारीख के ठीक पूर्य प्रवृत्त सभी संविदाधों, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पन्नों, करारों, व्यवस्थापनीं, पंचाटों, स्थायी धावेणों या प्रत्य लिखनों का, (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है या जो उसे सासू हो सकता है) धौर उक्त नारीख में पूर्व उसके ध्रधीन प्रोद्मृत या उद्भूत होने वाले सभी श्रधिकार, निशेषाधिकार, नाध्यनाएं भौर वायिखों का प्रवर्तन 26 सितम्बर, 1976 तक निजम्बत रहेगा:

भीर उक्त श्रादेश की श्रवधि 26 सितम्बर, 1979 तक के लिए भीर बढ़ा वी गई थी;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रादेश की भवधि 7 गितम्बर, 1980 तक की अवधि के लिए श्रीर बढ़ा दी जानी चाहिए,

भनः, भव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) श्रिधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठिस उपधारा (1) बारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त भावेश की अवधि 7 जिन्ह्यर, 1980 नक के लिए, जिसके अन्तर्गत यह सारीख भी है, और बढ़ाती है।

> [फा॰ सं॰ 2/21/75-सी॰यू॰सी॰] वी॰ राय, संयुक्त मिचव

ORDER

- S.O. 548(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 549(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared th: t—
 - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Λct shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta; and
 - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC] B. ROY, Jt. Secy.